Madhya Pradesh. But at present it has not been included in them.

As far as the list of Directors is concerned, Sir, I have not got the list of all the Directors. I will collect that list and the inform the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: No second supplementary?

SHRI KRISHAN LAL SHARMA: No.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति जी, अभी चर्चा हो रही थी कि उद्योग को रोजगार के साथ जोड़ा जाएगा। हम यह भी चर्चा करते रहते हैं कि टैक्नालोजी एप्रोप्रिएट होनी चाहिए, इंटरमीडिएट होनी चाहिए, लेकिन मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है, उसके अनुसार 1,696 लाख रुपये खर्च करने के बाद जिन लोगों को रोजगार मिला, उनकी तादाद 640 है।

अब मंत्री महोदय यह कहेंगे कि मैं जानता हूं कि हम रोबोट बना रहे हैं। अब यह तो मशीन का काम है, इसमें मनुष्य की क्या जरूरत है।

तो मैं पूछना चाहता हूं कि रोबोट बनाने की इस समय जरूरत क्या है?

प्रो॰ मधु दंडवते: वाजपेयी जी ने जो सवाल उठाया वह तो मूल सवाल है। तो में समझता हूं कि यह सारा सदन मानता है कि हमारी सारी प्रक्रिया औद्योगिकरण की इस तरह से होनी चाहिए कि यहां से इन्सान हटा कर उसकी जगह पर मशीन नहीं आनी चाहिए। यह तो हम मान लेते हैं, लेकिन चंद क्षेत्र ऐसे होते हैं, यही कभी-कभी ट्रेड यूनियंस के अंदर झगड़े का सवाल बन जाता है, जैसे कंप्यूटर का सवाल आता है, तो उस वक्त हम लोगों की निगाह यह रहती है कि हम यह नहीं फैसला करेंगे कि किसी तरह के कंप्यूटर हम इस्तेमाल नहीं करेंगे, आधुनिक प्रक्रिया और साईंस का इस्तेमाल नहीं करेंगे हम यही देखेंगे कि सेलैक्टिव यूज़ आफ् माडर्न साइंस एंड माडनाइज़ेशन यह हमारा तरीका रहेगा और इसलिए इन प्रावधानों की आवश्यकता है कि इस देश में हार्डवेयर के आधार पर सोफ्टवेयर हम तैयार करते हैं उससे जो इन्फर्मेशन मिलती है उसके जरिए इस देश का एग्रीकल्चर पेस्टिसाइज़, क्लाइमेटिक कंडीशन सब के लिए हमें मदद मिल सकती है। इसलिए मैं समझता हूं कि वाजपेयी जी ने जो वार्निंग दी है उसको ध्यान में रख कर हम प्रक्रिया आगे बढ़ायेंगे।

THE CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Studies carried out by Market Research Wing of the Textile Committee with regard to consumer preference of textiles

*323. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether the Market Research Wing of Textile Committee has carried out studies with regard to the consumer preference of textiles;

(b) whether the committee has concluded that the prices of synthetic fabrics are beyond the reach of common man; and

(c) what are the specific varieties which the consumers are averse to purchase and the reasons therefor?

THE MINISTER OF TEXTILES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI SHARAD YADAV): (a) Yes, Sir.

(b) The Textile Committee has not drawn any such conclusion saying that the prices of the synthetic fabrics are beyond the reach of a common man.

(c) No specific varieties have been identified which the consumers are averse to purchase.

Recruitment on contract and on ad-hoc basis in ITDC

*325. SHRI V. GOPALSAMY:
SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN:

Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) how many contract workers including the *ad-hoc* labourers are there